

श्री उज्ज्वल देवराव निकम

Shri Ujjwal Deorao Nikam



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री उज्ज्वल देवराव निकम

श्री उज्ज्वल देवराव निकम एक जाने माने वकील हैं। आप पिछले 40 वर्षों से कानून की प्रैक्टिस करते आ रहे हैं और अपराधियों के खिलाफ बेहद संवेदनशील मामलों की पैरवी करते रहे हैं।

2. आपका जन्म 30 मार्च,1953 को हुआ। आप महाराष्ट्र के एक छोटे शहर जलगांव से ताल्लुक रखते हैं। आपने समाज में कानून की भावना को आत्मसात किया है। आपने न्याय के लिए संघर्ष के मुकाबले कहीं अधिक काम किया है। आपने कानून के शासन के प्रति देश के आम नागरिकों के विश्वास को बढ़ाया है। आप आतंकवाद से पीड़ित हजारों मृतकों और घायल व्यक्तियों को न्याय दिलाया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अपराधी कभी दण्डित किए बिना न रहे, आपने सभी प्रतिकूल परिस्थितियों में संघर्ष किया और आपने देश में अपराधियों को सर्वाधिक संख्या में आजीवन कारावास तथा मृत्युदण्ड़ की सजा दिलवाई। आपके कुछ महत्वपूर्ण मुकदमों में कल्याण स्थानीय रेल बम धमाका मुकदमा (1991), बॉम्बे बम धमाका मुकादमा (1993), गेटवे ऑफ इण्डिया और जावेरी बाजार दोहरा बम धमाका(2003), गुलशन कुमार हत्याकांड (2003), नदीम प्रत्यपर्ण, लन्दन (2004), खैरलांजी दलित नरसंहार मामला, भण्डारा (2006), गैंगेस्टर अबू सलेम मामला (2006), प्रमोद महाजन हत्याकांड मुकदमा (2006), 26 नवम्बर, 2008 को मुम्बई पर हुआ आतंकी हमला, बच्चों का बहुत सारे हत्याकांड (बाल हत्याकांड), कोल्हापुर (2010), शक्ति मिल सामूहिक बलात्कार मामला (2010), डेविड हेडली मुकदमा (2016) इत्यादि प्रमुख रूप से हैं।

3. एक वकील की भूमिका निभाने के अतिरिक्त, आपने महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में वाणिज्य कानून के प्रोफेसर के तौर पर भी कार्य किया। आपने उत्तरी महाराष्ट्र विश्वविद्यालय में कानून की फैकल्टी के डीन के तौर पर कार्य किया। आप 2001 से 2004 तक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में रहे और 2001–2003 तक भारतीय जीवन बीमा निगम के पश्चिमी अंचल के सलाहकार बोर्ड में भी रहे। भारत सरकार ने आपको संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 2010 में न्यूयार्क में आयोजित किए गए सेमिनार में अपने नामित प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया। आपने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अन्तरराष्ट्रीय केन्द्र द्वारा 2011 में हेग में आयोजित किए गए सेमिनार में भारत का प्रतिनिधित्व किया। आप भारत सरकार के उस सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे जिसने मुम्बई पर हुए आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के खिलाफ एफआईए, पाकिस्तान द्वारा दायर किए गए मामले की समीक्षा करने के मकसद से इस्लामाबाद, पाकिस्तान का दौरा किया था।

4. आप एक उत्कृष्ट वक्ता भी हैं। आपने कई सौ ऐसे प्रेरणादायक व्याख्यान दिए हैं जिन्होंने समाज और युवा पीढ़ी के लिए एक पथ–प्रदर्शक का कार्य किया है। आपका कैरियर देश में कानून के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आकर्षक बना हुआ है और अनेक विद्यार्थियों ने आपसे प्रेरणा हासिल की है तथा इस व्यवसाय में आने का संकल्प लिया है। कानून के क्षेत्र में आपके अपरिमित योगदान का संज्ञान लेते हुए, महाराष्ट्र के एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय ने आपको डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है।

5. आपको, भारत के राष्ट्रपति द्वारा 2009 में प्रदान किए गए स्वतन्त्रता सेनानी उन्धालकर पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें डेली न्यूजपेपर महाराष्ट्र टाइम्स द्वारा प्रदान किए गए महाराष्ट्र राज्य आइडल–2006 पुरस्कार, स्टार माझा–न्यूज चैनल द्वारा 2010 में प्रदान किए गए राज्य के सर्वोत्तम अधिवक्ता पुरस्कार, जी टीवी और डेली न्यूजपेपर डीएनए द्वारा 2010 में प्रदान किए गए महाराष्ट्र रत्न, नागपुर के नागरिकों की ओर से 2004 में दक्ष नागरिक सम्मान, डेली महाराष्ट्र टाइम्स द्वारा 2007 में घोषित शीर्ष मराठी अचीवर, चरित्रया पुरस्कार 2008, पुणे और डॉ0 बाबासाहेब अम्बेडकर भीम रत्न पुरस्कार, औरंगाबाद आदि प्रमुख हैं।

Shri Ujjwal Deorao Nikam

Shri Ujjwal Deorao Nikam is an eminent lawyer, who has been practising law for the last 40 years and continuously handling highly sensitive cases against criminals.

2. Born on March 30, 1953, Shri Nikam, coming from small town of Maharashtra, Jalgaon has imbibed the spirit of law in society. He has done much more than fighting for justice, he has increased the faith of common man in the rule of law in the country. He could give justice to thousands of departed souls and injured persons who were victim of terrorism. He has fought against all odds to make sure that criminal never went unpunished and he has sought highest number of Life Imprisonments and Death Sentences in the country. Some of his prominent cases are Kalyan Local Railway Bomb Blast Trial (1991), Bombay Bomb Blast Trial (1993), Twin Bomb Blast at Gateway of India and Zaveri Bazaar (2003), Gulshan Kumar Murder (2003), Nadeem Extradition, London (2004), Khairlanji Dalit Massacre Case, Bhandara (2006), Gangster Abu Salem case (2006), Pramod Mahajan Murder Trial (2006), Terror Attack on Mumbai on 26th November 2008, Multiple murder of children (Bal Hatyakand), Kolhapur (2010), Shakti Mill Gangrape case (2010), David Headley Trial (2016) etc.

3. Apart from role as a lawyer, Shri Nikam also worked as a professor for mercantile law in one of the eminent university of Maharashtra. He worked as a Dean for Faculty of Law in North Maharashtra University. He was on the Director Board of Union Bank of India (2001-2004) and also on the West Zone Advisory Board of Life Insurance Corporation of India (2001-2003). Government of India had appointed him as its nominee in the seminar held in 2010 at New York by United Nations Security Council. He has represented India in Seminar held in 2011 by International Centre for counter terrorism at Hague. He was member of official delegation of Government of India who visited Islamabad, Pakistan for reviewing the case filed by FIA, Pakistan against the perpetrators of Terror Attack on Mumbai.

4. Shri Nikam is also an excellent speaker and has delivered hundreds of inspiring lectures which has acted as guiding path for the society and young generation. His career is appealing for every law student in the country and many have taken inspiration from him and have vowed to come to this profession. Taking into cognizance of immense contribution in the field of law one of the distinguished university of Maharashtra has conferred Doctorate degree upon him.

5. Shri Nikam has been honoured with several awards including Freedom Fighter Undhalkar Award by the President of the India in 2009, Maharastra State Idol-2006 by Daily Newspaper, Maharashtra Times, Best Advocate in State by Star Majha–News Channel in 2010, Maharastra Ratna by Zee TV and Daily Newspaper DNA in 2010, Daksh Nagarik 2004 from citizens of Nagpur, Top Marathi achiever as declared by daily Maharashtra Times in 2007, Charitrya Puraskar 2008, Pune and Dr. Babasaheb Ambedkar Bheem Ratna Award, Aurangabad.